दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल
ग्वालियर, शनिवार, 11 जनवरी 2019
ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 11
■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

रेप का केस दर्ज कराने पहुंची मां-बेटी पर ही दर्ज हो गया केस

कुन्दरकी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में बलात्कार के मामले में एक युवक को फंसाने के लिए मां-बेटी का कारनामा सामने आया। दोनों ने साक्ष्य के तौर पर फर्जी टीसी विवेचक को सौंप दी। खुदको नाबालिग बताया। जांच में टीसी फर्जी निकली। कुंदरकी पुलिस ने मां-बेटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भोली पत्नी मासूम अली निवासी ग्राम हाथीपुर चित्तू ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की थी। बताया था कि 27 मार्च को शकीला पत्नी रईस निवासी ग्राम हाथीपुर चित्तू थाना कुंदरकी ने पैसे के लेन-देन में हुए झगड़े में अपनी बेटी को हथियार बनाते हुए मेरे बेटे नदीम के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे में नदीम को सजा दिलाने के लिए शकीला ने अपनी बेटी निशा को नाबालिग दिखाने के लिए एक स्कूल से फर्जी टीसी बनवाकर विवेचक को दे दी। टीसी पूरी तरह से फर्जी है। एसएसपी ने मामले की जांच करवाई तो टीसी वास्तव में फर्जी निकली। जहां से टीसी जारी होने का उल्लेख किया गया था उस स्कूल ने भी फर्जी होने की पुष्टि कर दी। इसके बाद ही कुंदरकी पुलिस ने गुरुवार को शकीला व उसकी बेटी निशा पुत्री रईस व शकीला पत्नी रईस को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसपी देहात उदयशंकर सिंह ने बताया कि झूठे मुकदमे दर्ज कर लोगों को फंसाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

केजरीवाल सरकार इस रणनीति के तहत करेगी उम्मीदवारों के टिकट का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 का आगाज हो चुका है। यहां के सियासी मैदान में सभी राजनीतिक दलों की तरफ से चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी गई है। ऐसे में अब सभी दलों में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू होने जा रही है।

आम आदमी पार्टी इस बार चुनाव में किस आधार पर उम्मीदवारों को टिकट देगी इस पर विस्तार से लाइव हिन्दुस्तान के 'चुनावी दंगल' में पार्टी के राज्यसभा सांसद और दिल्ली चुनाव प्रभारी संजय सिंह ने विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि 'आप' चुनाव में थ्री सी के आधार पर अपने उम्मीदवारों का चयन करेगी। इसके साथ ही, संजय सिंह ने बताया कि जहां पर पार्टी के विधायक छोड़कर चले गए हैं या फिर जो बागी हो गए हैं उन सभी को लेकर आम आदमी पार्टी क्या रणनीति होगी।

गाजियाबाद के नए एसएसपी कलानिधि नैथानी ने संभाला कार्यभार, टेक्नोफ्रेंडली होने के साथ क्राइम कंट्रोल में हैं माहिर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नवनियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कलानिधि नैथानी ने शुक्रवार सुबह कमांड कार्यालय पहुंच कर अपना कार्यभार संभाल लिया। 36 वर्षीय कलानिधि नैथानी 2010 बैच के आईपीएस अफसर हैं। उन्हें निवर्तमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने प्रभार सौंपा। सुधीर कुमार सिंह का गुरुवार को ही सेनानायक पीएसी आगरा के लिए स्थानांतरण हुआ है। कड़क अनुशासन, व्यवस्थित तरीके से अपराध पर नियंत्रण के लिए जाने जाने वाले आईपीएस अधिकारी नैथानी मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड के रहने वाले हैं। वह न केवल कानून-व्यवस्था कायम रखने में माहिर हैं, बल्कि वह टेक्नोफ्रेंडली भी हैं। उन्होंने हाईस्कूल की पढ़ाई पौड़ी से, इंटरमीडिएट आर्मी स्कूल मथुरा से और इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन बीटेक की पढ़ाई पंतनगर से की है।

सूचना

आज को दोपहर 2: 00 बजे गौरवशाली सामाजिक संस्था द्वारा जिला विधिक सहायता शिविर का आयोजन अवाड़पुरा,कंपू लश्कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है जिसमें आप सभी समय के पूर्व उपस्थित होने की कृपा कीजिए।

अधिवक्ता शिल्पा डोगरा
संस्थापिका अध्यक्ष
गौरवशाली सामाजिक संस्था

कश्मीर पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

मोदी सरकार के लिए 2020 का पहला बड़ा झटका: कांग्रेस

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट की पाबंदियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को खरी-खरी सुनाई। जम्मू-कश्मीर में पाबंदियों के खिलाफ

याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की और कहा कि लगातार इंटरनेट बैन रखना और धारा 144 लागू रखना सत्ता की शक्तियों का दुरुपयोग है। इसके बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है और सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को मोदी सरकार के लिए इस साल का बड़ा झटका बताया है।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी से जुड़ी उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी को मोदी सरकार के लिए वर्ष 2020 का पहला बड़ा झटका करार देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह स्मरण कराया गया है कि देश उनके सामने नहीं, संविधान के समक्ष झुकता है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा, उच्चतम न्यायालय ने मोदी सरकार की गैरकानूनी गतिविधियों को यह कहते हुए पहला बड़ा झटका दिया कि इंटरनेट की आजादी एक मौलिक अधिकार है। उन्होंने दावा किया, मोदी-शाह के लिए दोहरा झटका है कि विरोध को धारा 144 लगाकर नहीं दबाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मोदी जी को याद दिलाया गया है कि राष्ट्र उनके सामने नहीं, संविधान के सामने झुकता है।

जानें सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा

न्यायमूर्ति एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाली सभी संस्थाओं में इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने के लिए कहा। संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत इंटरनेट के इस्तेमाल को मौलिक अधिकार का हिस्सा बताते हुए शीर्ष अदालत ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से इंटरनेट के निलंबन के सभी आदेशों की समीक्षा करने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि कश्मीर में लगे प्रतिबंधों को लेकर न्यायालय ने कहा कि किसी विचार को दबाने के लिए धारा 144 सीआरपीसी (निषेधाज्ञा) का इस्तेमाल उपकरण के तौर पर नहीं किया जा सकता।

निर्भया केस: पवन जल्लाद ने मेरठ जेल में खुलवाया फांसीघर, 20 जनवरी को जाएगा तिहाड़

मेरठ। निर्भया के चार गुनाहगारों को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर रहा पवन जल्लाद गुरुवार को मेरठ जेल पहुंचा। उसने फांसीघर खुलवाया और जायजा लिया। इसके बाद जेल अधिकारियों से फांसी से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर बातचीत की। बाताया जा रहा है कि 20 जनवरी को पवन को तिहाड़ जेल पहुंचना है। पटियाला हाउस कोर्ट दो दिन पहले ही निर्भया के चार दोषियों का डेथ वारंट जारी कर चुकी है। 22 जनवरी की सुबह 7 बजे तिहाड़ जेल दिल्ली में इन्हें एकसाथ फांसी दी जाएगी।

इसके लिए मेरठ से पवन जल्लाद को बुलाया गया है। मेरठ में हापुड़ रोड पर कांशीराम आवासीय कॉलोनी में रहने वाला पवन इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। वह उप्र कारागार सेवाओं की तरफ से अधिकृत जल्लाद है। उसे वेतन के रूप में उप्र सरकार से हर महीना पांच हजार रुपये भी मिलते हैं। जेल के सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को पवन जल्लाद मेरठ जेल पहुंचा। रजिस्टर में अपनी हाजिरी लगाई। इसके बाद उसने जेल अधिकारियों से कहकर फांसीघर खुलवाया। प्लेटफॉर्म की लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई की स्थिति देखी। पूरे फांसीघर को देखने के बाद पवन ने जेल अधिकारियों से बातचीत की। फांसी से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा हुई। बता दें कि सभी जेलों में फांसीघर एक स्टैंडर्ड साइज के बने हुए हैं। मेरठ के जेल अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय ने बताया कि तिहाड़ जेल प्रशासन ने अभी जल्लाद पवन को बुलाने के लिए तारीख तय नहीं की है। तिहाड़ से निर्देश प्राप्त होते ही पवन को दिल्ली भेज दिया जाएगा।

अब ईरान के खिलाफ जंग नहीं छेड़ सकेंगे डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी सदन ने कतरे पर

वाशिंगटन। जनरल कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद अमेरिका और ईरान में तनातनी जारी है। कासिम की हत्या और इराक में हवाई हमले के बाद दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालात बने हुए हैं। मगर अमेरिका और ईरान के बीच जंग छेड़ने से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रोकने के लिए अमेरिकी संसद ने आज प्रस्ताव पारित कर दिया। अमेरिकी संसद के निचले सदन से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकार सीमित करने का युद्ध शक्ति प्रस्ताव पारित हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी नीत अमेरिका की प्रतिनिधिसभा में स्थानीय समयानुसार गुरुवार को वोटिंग के दौरान 224-194 के बहुमत से मतदान हुआ। प्रस्ताव के पक्ष में 194

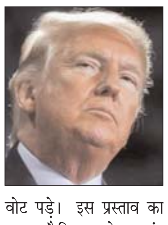

वोट पड़े। इस प्रस्ताव का मतलब है कि अब डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ युद्ध का ऐलान करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत होगी। हालांकि, अभी इस प्रस्ताव को ऊपरी सदन में पास होना बाकी है। सदन में इस प्रस्ताव को कांग्रेस नेता एलिसा स्लॉटकिन ने पेश किया। एलिसा इससे पहले सीआईए एनालिस्ट एक्सपर्ट के रूप में काम कर चुकी हैं और रक्षा विभाग के अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में कार्यवाहक असिसटेंट सचिव के रूप में भी सेवा दे चुकी हैं। इससे पहले समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने कहा था कि ईरान से युद्ध छेड़ने से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रोकने के लिए आज अमेरिकी संसद वोटिंग करेगा।

आर्टिकल 370: जम्मू-कश्मीर में पाबंदियों को चुनौती देने वाली

याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान खत्म करने के सरकार के निर्णय के बाद इस पूर्व राज्य में लगाये गये प्रतिबंधों के खिलाफ कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद और अन्य की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को फैसला सुनायेगा। न्यायमूर्ति एन वी रमण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति बी आर गवई की तीन सदस्यीय पीठ ने इन प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पिछले साल 27 नवंबर को सुनवाई पूरी की थी।

केन्द्र सरकार ने जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान समाप्त करने के बाद वहां लगाये गये प्रतिबंधों को 21 नवंबर को सही ठहराया था। केन्द्र ने न्यायालय में कहा था कि

सरकार के एहतियाती उपायों की वजह से ही राज्य में किसी व्यक्ति की न तो जान गई और न ही एक भी गोली चलानी पड़ी। गुलाम नबी आजाद के अलावा, कश्मीर टाइम्स की कार्यकारी संपादक अनुराधा भसीन और कई अन्य ने घाटी में संचार व्यवस्था ठप होने सहित अनेक प्रतिबंधों को चुनौती देते हुये याचिकाएं दायर की थीं। केन्द्र ने कश्मीर घाटी में आतंकी हिंसा का हवाला देते हुये कहा था कि कई सालों से सीमा पार से आतंकवादियों को यहां भेजा जाता था, स्थानीय उग्रवादी और अलगावादी संगठनों ने पूरे क्षेत्र को बंधक बना रखा था और ऐसी स्थिति में अगर सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिये एहतियाती कदम नहीं उठाती तो यह मूर्खता होती।

दरअसल, केन्द्र की मोदी सरकार ने पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अनेक प्रावधान खत्म कर दिये थे। इसके बाद जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभक्त हो गया था- लद्दाख और कश्मीर।

हिंसा मामले में फंसी JNU अध्यक्ष आइशी घोष तो बोलीं

मेरे पास भी सबूत हैं कि मुझपर हमला हुआ

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पांच जनवरी को हुई हिंसा के मामले में शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने बताया कि हिंसा में शामिल नौ छात्रों की पहचान हुई है। जिसमें जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष के अलावा डोलन, सुचेता तालुकदार, योगेंद्र भारद्वाज, विकास पटेल, चुनचुन कुमार, पंकज मिश्रा, भास्कर, सुशील कुमार और प्रिय रंजन के नाम भी शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि इस मामले में कुल तीन एफआईआर दर्ज की गई है। पहला केस सर्वर रूम को नुकसान पहुंचाने का, दूसरा केस रजिस्ट्रेशन करवाने वाले छात्रों के साथ मारपीट करने का और तीसरा केस हॉस्टल में

घुसकर हमला करने का है।

जेएनयू छात्र यूनियन की अध्यक्ष आइशी घोष ने विश्वविद्यालय में हिंसा में नाम आने पर कहा कि दिल्ली पुलिस जांच कर सकती है, मेरे पास भी सबूत हैं कि मुझपर कैसे हमला हुआ। आइशी ने एमएचआरडी सचिव से मुलाकात के बाद कहा कि- हमें सांत्वना दी गई है कि मामले की जांत होगी और इसपर जल्द सर्कुलर जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जेएनयू मामले में कुछ गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं। इसलिए हम इस मामले की कुछ जानकारियां शेयर कर रहे हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी जॉय टिर्की ने बताया कि हम मामले की जांच पूरी होने के बाद मीडिया के साथ जानकारी शेयर करते हैं लेकिन यह मामला बहुत गंभीर है इसलिए हम इस मामले की जानकारी आपको दे रहे हैं।

नवाबगंज में गैंगरेप के बाद दलित बच्ची की कर दी थी हत्या, कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

बरेली। दिल्ली के चर्चित निर्भया गैंगरेप कांड की तरह बरेली के चर्चित जघन्यतम मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सुनील कुमार यादव की विशेष कोर्ट ने आरोपी मुरारीलाल और उमाकांत को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी रीतराम राजपूत ने बताया कि नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव में 29 जनवरी 2016 को 12 वर्षीय दलित बच्ची खेत में गन्ना छीलकर पत्ते लेने गई थी। बच्ची वापस घर नहीं लौटी। तलाश करने पर महेंद्र के सरसो के खेत में बच्ची का शव नग्नावस्था में पड़ा मिला था।

जेएनयू हिंसा मामले में फंसी छात्रसंघ अध्यक्ष आइशी घोष

दिल्ली पुलिस ने 9 संदिग्ध हमलावरों के फोटो दिखाए

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा के मामले में शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने बताया कि हिंसा में शामिल नौ छात्रों की पहचान हुई, जिसमें जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष के अलावा डोलन, सुचेता तालुकदार, योगेंद्र भारद्वाज, विकास पटेल, चुनचुन कुमार, पंकज मिश्रा, भास्कर, सुशील कुमार और प्रिय रंजन के नाम भी शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि इस मामले में कुल तीन एफआईआर दर्ज की गई है। पहला केस सर्वर रूम को नुकसान पहुंचाने का, दूसरा केस रजिस्ट्रेशन करवाने वाले छात्रों के साथ मारपीट करने का और तीसरा केस हॉस्टल में घुसकर हमला करने का है।

ईडी ने चंदा कोचर व उनके परिवार की कुल 78 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर व उनके परिवार की संपत्ति को जब्त कर लिया है। कुल 78 करोड़ की चल अचल संपत्ति जब्त हुई है। इसमें मुंबई में एक फ्लैट और चंदा के पति के कंपनी की प्रापर्टी शामिल हैं। बता दें कि ईडी ने पिछले साल चंदा कोचर, उनके परिवार और वीडियोकॉन समूह के वेणुगोपाल धूत के मुंबई और औरंगाबाद ठिकानों पर छापेमारी की थी। प्रवर्तन निदेशालय ने इस साल की शुरुआत में चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर, धूत और अन्य के खिलाफ आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को 1,875 करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी देने के मामले में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच के लिए पीएमएलए के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया था। सीबीआई की प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की थी। सीबीआई ने इस मामले में इन तीनों तथा धूत की कंपनियों- वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (वीआईईएल) और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड (वीआईएल) के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीबीआई की प्राथमिकी में सुप्रीम एनर्जी और दीपक कोचर के नियंत्रण वाली न्यूपावर रीन्यूएबल्स का भी नाम है।

विभिन्नता में एकता ही भारत की विशेषता है

ग्वालियर। महामहिम राष्ट्रपति जी भारत सरकार से ग्वालियर कलेक्टर महोदय के द्वारा निवेदन किया जाता है कि विभिन्नता में एकता ही भारत की विशेषता है विश्व के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक होनें के नाते भारत का संविधान प्रजातंत्र की आत्मा जाता है को ध्यान में रखते हुए भारत में हो रहे जाति के नाम परल बंटवारे, प्रतिभाओं का दामन देश की एकता अखंडता को बचाने हेतु आपसे निवेदन किया जाता है कि आरक्षण को खत्म करें, इससे देश कमजोर व पतन की ओर जा रहा है विकास एक रहा है हिंदू बटता जा रहा है। कृपया इस आरक्षण रूपी कलंक को देश के संविधान जो कि देश की आत्मा है उसकी पवित्रता को बचाने का आप हमें भरोसा दें और इसको संविधान से हटा का कष्ट करें। वैसे भी आरक्षण 10 सालोंम के लिए लागू किया गया था जो कि आज 70 साल होने के बावजूद भी खत्म नहीं किया गया और अब यह भारत के लिए अभिशाप बनता जा रहै है। वहीं दूसरी ओर एससी एसटी एक्ट हरिजन एक्ट को लेकर देश में विरोधाभास की भावना एक दूसरे के प्रति बढ़ती जा रही है।

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालय: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव गुढ़ा रोड भोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्क: 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

हालिया दौर में तेजी से सुधरी है दुनियां

अगर आप दुनिया के मौजूदा हालात को लेकर बहुत हताश–निराश हैं तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि बीता साल यानी 2019 मानव इतिहास का सबसे शानदार वर्ष रहा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि इस दौरान दुनिया में तमाम बुरी बातें भी हुईं, मगर यह भी उतना बड़ा सच है कि आधुनिक मानव के तकरीबन दो लाख साल पुराने इतिहास में वर्ष 2019 अनेक तरह की उपलब्धियां लेकर आया। यह संभवतः पहला ऐसा साल रहा, जिसमें सबसे कम बच्चे असमय काल के ग्रास बने। दुनिया में बालिगों की सबसे कम संख्या निरक्षर रह गई और कम से कम लोग कष्टदायी बीमारियों के शिकंजे में फंसे।

बीते साल के हर एक दिन में करीब सवा तीन लाख लोगों को पहली बार बिजली की सुविधा मिली। रोजाना तकरीबन दो लाख से अधिक लोगों तक सीधे नल के जरिये पानी पहुंचा। वहीं प्रतिदिन लगभग साढ़े छह लाख लोग पहली बार इंटरनेट से जुड़े। इसमें कोई दोराय नहीं कि मानव जीवन तमाम मुश्किलों से भरा हुआ है, लेकिन बच्चे को अपने सामने दम तोड़ते देखना किसी के लिए भी शायद सबसे बड़ी त्रासदी हो सकती है। ऐतिहासिक रूप से दुनिया की आधी आबादी बचपन में ही असमय मौत की शिकार हो जाती थी। यहां तक कि 1950 तक करीब 27 प्रतिशत बच्चे 15 साल से पहले ही मौत के आगोश में चले जाते थे। राहत की बात है कि यह आंकड़ा अब लगभग चार प्रतिशत रह गया है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री मैक्स रोसर कहते हैं, यदि आपको इतिहास के किसी खास कालखंड में जन्म लेने का विकल्प मिले तो अतीत की किसी पीढ़ी में जन्म लेना आपके लिए खासा जोखिमभरा होगा। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैक्स रोसर %अवर वर्ल्ड इन डाटा नामक वेबसाइट चलाते हैं। उनका कहना है कि पुराने दौर में लोग भयावह गरीबी के त्रस्त थे, जहां अकाल और भुखमरी बहुत सामान्य सी बात थी।

बहरहाल, इन अच्छी बातों के बीच कुछ बुरे संकेत भी उभरे। जैसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। जलवायु परिवर्तन। यमन में युद्ध। वेनेजुएला में भुखमरी। उत्तर कोरिया के साथ परमाणु युद्ध की आशंका भी बीते साल छाई रही। ये सभी बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं। यही कारण है कि मैं निरंतर रूप से इन पर लिखता रहा हूं, फिर भी मुझे यही आशंका सताती रहती है कि मीडिया और पूरी दुनिया बुरी खबरों पर इतने व्यापक ढंग से ध्यान केंद्रित करती है कि जिससे हम दुनिया को यही आभास कराते हैं कि प्रत्येक रुझान गलत दिशा में जा रहा है।

एक सर्वेक्षण में अमेरिका के अधिकांश लोगों ने यही कहा कि दुनिया में गरीबों की तादाद बढ़ती जा रही है, जबकि पिछले पचास वर्षों का एक अहम रुझान यह रहा कि वैश्विक गरीबी में भारी कमी आई है। वर्ष 1981 तक पूरी दुनिया की 42 प्रतिशत आबादी भयावह गरीबी में जीवन–यापन कर रही थी। गरीबी का यह पैमाना संयुक्त राष्ट्र द्वारा दो डॉलर प्रतिदिन के हिसाब से तय किया गया था। अब केवल दुनिया की 10 प्रतिशत से कम आबादी ही गरीब रह गई है। पिछले एक दशक में रोजाना 1,70,000 लोग गरीबी के दुश्चक्र से बाहर निकले। हालांकि इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि उनमें से तमाम की हालत अभी भी उतनी अच्छी नहीं है, लेकिन उनकी गुरबत कम जरूर हुई है। इससे उनके भूखों मरने या अशिक्षित रह जाने की आशंका कमजोर पड़ी है। एक वक्त अकाल बहुत आम थे, लेकिन इसके निशान भी दुनिया ने आखिरी बार 2017 के दौरान दक्षिण सूडान के एक राज्य में देखे थे और वह भी चंद महीनों के लिए। इस बीच पोलियो, क्षय रोग, रीवर ब्लाइंडनेस और फीलपांव जैसी बीमारियां पस्त पड़ती जा रही हैं। वैश्विक प्रयासों से एड्स का प्रकोप भी थमा है। आधी शताब्दी पहले दुनिया की अधिकांश आबादी अशिक्षित थी। अब हम वयस्क साक्षरता के मोर्चे पर 90 प्रतिशत तक का स्तर हासिल कर रहे हैं। खासतौर से बालिका शिक्षा के मोर्चे पर बहुत शानदार प्रगति हुई है। बालिका शिक्षा और महिला सशक्तीकरण जैसी ताकत ने दुनिया को बदलने में जो भूमिका निभाई है, वैसी प्रवर्तनकारी ताकत अमूमन कम ही देखने को मिलती है। ऐसे दौर में जब दुनिया में इतना सब गलत हो रहा हो, तब तरक्की की ऐसी तस्वीर दिखाना मिजाज बिगाड़ सकता है। साथ ही इन आंकड़ों पर भी बहस हो सकती है और 2019 के आंकड़े तो वैसे भी अनुमानित ही हैं, मगर मुझे यह भी चिंता सताती है कि निराशावाद स्थिति को और बिगाड़ता है। अत्यधिक निराशावाद लोगों को केवल नाउम्मीद ही नहीं, बल्कि असहाय बना सकता है।

पाठक भी लगातार मुझे कई बातें बताते रहते हैं। मसलन, अगर हम ज्यादा बच्चों को बचाएंगे तो इससे जनसंख्या का संकट पैदा हो सकता है। भुखमरी का विकराल संकट भी खड़ा हो सकता है। हालांकि वे यह महसूस नहीं करते कि जब माता–पिता अपने बच्चों की लंबी जिंदगी को लेकर सुनिश्चित होंगे तो जनसंख्या नियंत्रण के उपाय भी करेंगे। इस मामले में हेनरी किसिंजर ने बांग्लादेश को एक %बास्केट केस बताया था। अब बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था अमेरिका की तुलना में तेज गति से आगे बढ़ रही है तो वहां जन्म दर केवल 2.1 प्रतिशत रह गई है। साफ है कि यह 973 की 6.9 प्रतिशत की तुलना में काफी नीचे आ गई है। फिर भी यह बात सालती है कि प्रत्येक छह सेकंड पर दुनिया में कहीं न कहीं एक बच्चे की मौत होती है। मगर यह भी सोचिए कि एक दशक पहले प्रत्येक तीन सेकंड में ऐसा होता था। मुझे लगता है कि ऐसी तस्वीर दिखाकर हौसला और बढ़ाया जा सकता है और यही कारण है कि मैं हर साल एक ऐसा आलेख लिखता हूं जिसमें मानवता के समक्ष मौजूद साझा शत्रुओं के खिलाफ ऐसी जीत का जिक्र हो।

जहां तक चुनौतियों की बात है तो जलवायु परिवर्तन हमारी धरती के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है। यह आशंका बढ़ गई है कि वर्ष 2030 तक भयावह गरीबी घटाने के लक्ष्य से हम पीछे रह जाएंगे। इस बीच ट्रंप अमेरिकी संस्थानों के समक्ष चुनौतियां बढ़ाते जा रहे हैं। इसके चलते लाखों परिवार पिछड़ गए हैं। उन्हें कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ रहा है।

समकालीन दौर पर रोसर कहते हैं, एक साथ तीन बातें सच हो रही हैं। दुनिया बेहतर हो रही है, दुनिया बहुत डरावनी हो रही है और इस दुनिया को और बेहतर बनाया जा सकता है। बहरहाल, जब साल 1959 में मैं पैदा हुआ था, तब दुनिया की एक बड़ी आबादी भयावह गरीबी की जद में थी और तमाम लोग अनपढ़ ही रह गए। अब जब मैं इस दुनिया को अलविदा कहूंगा, तब तक शायद दुनिया से गरीबी और अशिक्षा समाप्त हो चुकी होगी। मानवता के लिए शायद इससे बड़ी जीत की कल्पना नहीं की जा सकती।

संपादकीय

सीएए की सुनवाई

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को संवैधानिक घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार करते हुए यह उचित ही कहा कि इस कानून को लेकर हो रही हिंसा थमने पर ही मामले पर विचार करना ठीक होगा, लेकिन इसमें संदेह है कि जो तत्व हिंसक गतिविधियों में लिप्त हैं, वे अपनी हरकतों से बाज आएंगे। इसे देखते हुए उचित यही होगा कि सुप्रीम कोर्ट उन याचिकाओं की सुनवाई में विलंब न होने दे जो नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ दायर की गई हैं। केंद्र सरकार भी ऐसा ही चाह रही है और इसीलिए उसने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह इस कानून के खिलाफ विभिन्न उच्च न्यायालयों में दायर याचिकाओं को अपने यहां स्थानांतरित कर ले। न केवल ऐसा ही होना चाहिए, बल्कि इस कानून की वैधानिकता की परख भी यथाशीघ्र होनी चाहिए। इससे ही विपक्षी राजनीतिक दलों के दुष्प्रचार पर कुछ लगाम लग सकती है। यह बेहद हैरानी की बात है कि नागरिकता संशोधन कानून पर लोगों को गुमराह करने का काम तब किया जा रहा है, जब उसका किसी भी भारतीय नागरिक से कोई लेना–देना ही नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि फिलहाल नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार करने की कोई पहल नहीं हो रही है, इसलिए उसे लेकर हल्ला मचाने वालों से आम जनता को सावधान रहना चाहिए।आम जनता को यह भी समझना होगा कि जितना बेतुका कागज नहीं दिखाएंगे का शरारती अभियान है, उतना ही नागरिकता कानून का विरोध करते हुए संविधान की दुहाई देना। क्या संविधान यह कहता है कि संसद से पारित कानून को सड़क पर उतरने वाले खारिज कर सकते हैं? ऐसा तो भीड़ तंत्र में होता है। आखिर संविधान की शपथ लेकर रास्ते जाम करना संविधानसम्मत आचरण कैसे है?वास्तव में आम लोगों को विरोध के इस नए और शातिर तरीके की पहचान करनी होगी, जिसके तहत निराधार आरोप उछालकर लोकतंत्र और संविधान को खतरे में बताया जा रहा है। जो यह सब कहकर लोगों को उकसा रहे हैं, वे इस सनक से भी ग्रस्त हैं कि केवल उनका ही विचार सत्य है। इसी कारण वे अपने से असहमत लोगों को लांछित करने में तो लगे ही हैं, उन्हें बोलने तक का मौका देने को भी तैयार नहीं। शायद ऐसे ही हालात देखकर सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि देश कठिन दौर से गुजर रहा है, लेकिन उसे यह भान होना चाहिए कि कुछ तत्व ऐसे भी हैं, जो यह दलील दे रहे हैं कि किसी कानून का वैधानिक होना ही पर्याप्त नहीं। यह भी एक किस्म की शरारत ही है।

हड़ताल से हासिल

बुधवार को कतिपय श्रम संगठनों के आह्वान पर हुई देशव्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर ही नजर आया। वाम रुझान वाले और विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में इसका ज्यादा असर नजर आया। करीब दस ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आहूत भारत बंद के दौरान कुछ छिटपुट हिंसा की खबरें भी मिली हैं। कहने को तो इस हड़ताल के मूल में श्रमिक हित से जुड़े मुद्दे शामिल रहे मगर ?इसमें विपक्षी राजनीति की भी छाया नजर आई, जिसका पता आंदोलन के मुद्दे में शामिल नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी का जिक्र होना है। यही वजह है कि संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ ने इसे राजनीतिक आह्वान बताते हुए हड़ताल से खुद को अलग रखा। बहरहाल, श्रमिक संगठनों ने अपनी बारह सूत्री मांगों में न्यूनतम मजदूरी 21 हजार रुपये प्रतिमाह करने, ठेका मजदूरों को नियमित कर्मचारियों के बराबर वेतन व सामाजिक सुरक्षा देने, महंगाई रोकने, सार्वजनिक क्षेत्रों की इकाइयों को निजीकरण से अलग रखने तथा श्रम कानूनों में बदलाव करने वाले विधेयक को वापस लेने की मांग?की। श्रमिक संगठनों का आरोप है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नाम पर ?उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने और श्रमिकों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है।

उदासियां

कभी-कभी उदासियां
बहने लगती है इन अश्कों में।
जो बातें कही नहीं
जाती
वे बह जाती है
अक्सर इन अश्कों
में।
मत पूछा करो
इन खामोशियों की
वजह
इन तनहा रस्तों से।
बहुत कुछ खोया है
बहुत कुछ पाया है
अक्सर इन गुमनाम रास्तों से।
मत पूछिए
वफ़ा की बातें हम से।
बहुत दिल लगाया है
और बहुतो से
दिल से निभाया है,
मगर फिर भी अक्सर
दर्द ही मिला है
हमें अक्सर सस्ते में।

राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
(युवा कवि लेखक)
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल,
ठाकुरद्वारा।

राष्ट्रवाद की नूराकुश्ती के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

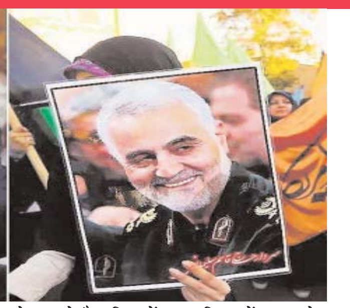

राष्ट्रवाद की रौ में पब्लिक कैसे पगला–सी जाती है, ईरान उसका सबसे ताज़ा उदाहरण है। पूरी दुनिया ने वो इनसानी सैलाब देखा होगा, जो जनरल क़ासिम सुलेमानी के जनाजे में शामिल था। दक्षिण–पूर्वी ईरान के शहर करमान में बुधवार को सुलेमानी के सुपुर्दे ख़ाक से पहले हुई भगदड़ में 56 लोग मारे गये, दो सौ से अधिक ज़ख्मी हुए, मगर राष्ट्रवाद का ज़ज्बा बना रहा। किसी को पहली जनवरी, 2018 याद हो, तो स्मरण करें ईरान के 80 क़स्बों–शहरों में विद्रोह का कैसा मंज़र था। इसे कुचल देने की कवायद में 22 लोग मारे गये हैं और हज़ार से अधिक लोग गिरफ्तार किये गये थे। सर्वोच्च नेता अयातुल्लाहिल उज्मा सैयद अली खामेनई के ख़िलाफ पब्लिक खड़ी हो जाए, यह सबसे बड़ी घटना थी। आज वही जनता अपने सर्वोच्च नेता की आवाज़ पर मुट्ठी बांधकर अमेरिका की मज़म्मत कर रही है।

रेवोल्यूशनरी गार्ड के सर्वोच्च कमांडर कासिम सुलेमानी की 'शहादत' ने सब कुछ बदल दिया। मत भूलिये, 21 फरवरी, 2020 को ईरान में 290 सीटों वाली संसद 'मज़लिस–ए–शूरा' का चुनाव है और उधर अमेरिका में तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव है। चुनांचे, 'राष्ट्रवाद' की दरकार दोनों को है। मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी का बढ़ता क़द और लोकप्रियता भी ईरान में उनके लिए भारी पड़ रही थी, जो सत्ता की चाबी किसी कमांडर को देने के पक्ष में नहीं थे। तो क्या 'मज़लिस–ए–शूरा' चुनाव से पहले सुलेमानी को निपटाना ज़रूरी समझा गया था? वो कौन लोग थे, जिनके माध्यम से 3 जनवरी, 2020 को बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले से पहले मेजर जनरल क़ासिम सुलेमानी के 'मूवमेंट' की जानकारी अमेरिकी खुफिया को दी गई थी? राष्ट्रवाद के गगनभेदी शोर में ये सवाल गुम हो जाएंगे।

इस चुनावी मौसम में ट्रंप को ध्यान से देखिये, वो अमेरिका के नवराष्ट्रवाद के चोबदार हैं। शांति काल में रेवोल्यूशनरी गार्ड के टॉप कमांडर क़ासिम सुलेमानी को मरवा कर उन्होंने अमेरिकियों के बीच राजनीतिक विमर्श की दिशा बदल दी। वहां अब राष्ट्रपति पर महाभियोग ज़ेरे बहस नहीं है। यह एक नये क़िस्म का राष्ट्रवादी खेल है, जो चुनाव से पहले रच दिया जाता है। ट्रंप ने 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसे शब्दाडंबर को खड़ा करने की ज़रूरत नहीं समझी। कमाल यह है कि 'सर्जिकल स्ट्राइक' सर्वोच्च नेता अली खामेनई के आदेश से भी हुई। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिका को करारा तमाचा मारा है। पब्लिक ने आंख मूंदकर मान लिया कि मारा है। बगदाद स्थित अमेरिका के दो सैन्य ठिकानों पर 22 मिसाइलें दागकर देश की जनता को समझा दिया गया कि हमारे सर्वोच्च नेता में दम है, हमने बदला ले लिया। ऐसा बदला, जिसमें एक अमेरिकी कबूतर तक नहीं मरा है। राष्ट्रवाद अमेरिका का मज़बूत हुआ और ईरान का भी। मगर, उसकी क़ीमत कौन चुका रहा है? इराक और उसके साथ दुनिया के तमाम देश जो तेल का आयात करते हैं, जिनके लाखों लोग खाड़ी के देशों में आशियाना और आबोदाना की वजह से हैं, उनका वहां से सुरक्षित निकाल लाना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती–सी थी। भारत सरकार ने भी इराक में रह रहे 17 हज़ार भारतीयों को सुरक्षित ले आने के उपाय पर काम शुरू कर दिया था। बुधवार को विदेश मंत्रालय की एडवाइज़री इसी वास्ते थी। पश्चिम एशिया से गुज़रने वाले सभी एयरलाइंसों को मार्ग बदलने पड़े, कुछेक ने उड़ानें रद्द कीं। करोड़ों डॉलर के नुकसान और इससे पैदा अफरा–तफरी को कौन भरेगा? अफसोस, तेहरान से वाशिंगटन तक जो नेता नूराकुश्ती कर रहे थे, उन्हें ऐसी पीड़ाजनक परिस्थिति पैदा करने में भी आनंद की अनुभूति हो रही थी।

बुधवार देर रात को ट्रंप के बयान से दुनिया भर के विश्लेषक राहत महसूस कर रहे थे कि लड़ाई अब और आगे नहीं बढ़ेगी। मगर, क्या सचमुच इसे फुल प्रूफ मान लें? ट्रंप ने दोनों बातें कहीं हैं, हमारे पास दुनिया की सबसे तेज़ और विध्वंसक मिसाइलें हैं, फिर भी हम उनका इस्तेमाल नहीं चाहते। ईरान परमाणु ताकत बनने और आतंकवाद को समर्थन देने की कोशिश बंद कर दे। ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका को तेल की दरकार नहीं है, हम ख़ुद तेल के सबसे बड़े निर्यातक हैं।' तो क्या इसी बहाने कच्चे तेल की कीमत भी बढ़ाना मकसद था? यदि था, तो अंतर्राष्ट्रीय तेल बाज़ार में यह नये किस्म की चौधराहट है।

अमेरिका के घरेलू मोर्चे पर ट्रंप से पूछा जा रहा है, 'शांति काल में कमांडर क़ासिम सुलेमानी को मरवाना क्यों ज़रूरी हो गया था?' 29 सितंबर, 2011 को वाशिंगटन में तैनात सऊदी राजदूत अब्देल अल जुबेर की हत्या हुई थी। उस सिलसिले में दो ईरानी पकड़े गये, जो 25 वर्षों की कैद की सज़ा काट रहे हैं। उन दिनों 'अल कद्स फोर्स' जो इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर्प की अनुषंगी इकाई है, के कमांडर सुलेमानी और सर्वोच्च नेता अली खामेनई का नाम इस षड्यंत्र को रचने में आया था। यह ओबामा के समय की बात है। बावजूद इसके, कमांडर क़ासिम सुलेमानी को मरवा देने के सुझाव पर बराक ओबामा तैयार नहीं हुए। ओबामा से पहले जार्ज डब्ल्यू बुश भी सुलेमानी को मरवा देने पर असहमत थे।

बगदाद में दिसंबर, 2019 के आख़िर में एक अमेरिकी ठेकेदार का मारा जाना और 13 फरवरी, 2012 को दिल्ली में इस्राइली डिप्लोमेट की कार पर हमला सुलेमानी को मरवाने का कारण बने, ट्रंप का यह बयान किसी के गले नहीं उतरने वाला। यह सही है कि एक लाख 90 हज़ार एक्टिव मेंबर वाले इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर्प (आईआरजीसी) ने अपना रसूख इराक, होरमूज की खाड़ी (जहां से विश्व की 20 फीसद तेल की सप्लाई वाले टैंकर गुज़रते हैं) और मध्य–पूर्व में इतना बढ़ा लिया था कि अमेरिकी खुफिया को दिक्कतें दरपेश होने लगी थीं।

एक और दूसरी वजह ईरान का बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम था, जो गल्फ में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के विरुद्ध ख़तरनाक होता जा रहा था। तुर्की, इराक, सीरिया के अलावा जोर्डन, कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन, क़तर, यूएई, ओमान, अफग़ानिस्तान तक अमेरिकी सैन्य बेस को देखने पर साफ पता चलता है कि ईरान की चारों तरफ से घेरेबंदी अमेरिका ने कर रखी है। तभी ट्रंप ने बुधवार को अपने बयान में अमेरिकी सेना की विध्वंसक ताक़त का संकेत दिया था। ईरान इस अमेरिकी व्यूह रचना में कमज़ोर पड़ेगा, इस सच से सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई वाकिफ हैं। ईरान पर एक और प्रतिबंध आयद करने की घोषणा हो गई। ईरान से हमारे उभयपक्षीय संबंध के 70 साल पूरे हो रहे हैं।

मोहरों की माहिर कोनेरू हम्पी

बदलते वक्त में बाजार की सूचना माध्यमों में दखल देखिए कि क्रिकेट के अलावा किसी अन्य खेल को अपेक्षित तरजीह मिलती ही नहीं। अपना परिवार संवारने के लिये दो साल के अंतराल के बाद मोहरों के खेल खेलने निकली भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उसकी इस बड़ी उपलब्धि का जिक्र चंद अखबारों के खेल पन्नों में सामान्य खबरों के साथ जरूर हुआ, मगर जो श्रेय इस उपलब्धि के लिये उसे दिया जाना चाहिए था, वो हमने नहीं दिया। खैर, हम्पी जैसी प्रतिभाएं इन चीजों से ऊपर निकल चुकी हैं और निरंतर अपना खेल संवारने में जुटी रहती हैं।

बीते साल के अंतिम दिनों में कोनेरू हम्पी ने मास्को में आयोजित महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ गेम को ड्रा कराने के बाद खिताब अपने नाम किया। हम्पी ने इस प्रतियोगिता में पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की। इसके बाद निर्णायक मैच में खिताब हासिल किया। दरअसल, मां बनने के बाद साल 2016 से 2018 तक ब्रेक लेने वाली हम्पी की वैश्विक शतरंज स्पर्धाओं में यह शानदार वापसी थी। इस अप्रत्याशित कामयाबी को लेकर हम्पी भी आश्वस्त नहीं थी। मगर जहां चाह हो वहां राह निकल ही आती है। उल्लेखनीय है कि भारत के ही शतरंज स्टार विश्वनाथन आनंद ने वर्ष?2003 और 2017 के ओपन वर्ग में यह खिताब जीता था। इसी क्रम में हम्पी मौजूदा प्रारूप रैपिड में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं।

दरअसल, वर्ष 2016 में जब देश की इस सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर ने शतरंज के खेल को विराम देने का फैसला लिया तो शतरंज प्रेमी बेहद निराश थे। जब वह दो साल के ब्रेक के बाद वापस लौटी तो तब भी खेल प्रेमी उनके खेल को लेकर आशंकित थे। चिंता थी कि शायद वह पहला जैसा प्रदर्शन न दोहरा सके। लेकिन प्रतिभा व एकाग्रता की धनी हम्पी ने सफलता की चौंकाने वाली इबारत लिख डाली।

निस्संदेह आज शतरंज के खेल में महिला खिलाड़ी भी नित नई सफलता की इबारत लिख रही हैं। हम्पी नई सफलता से विश्व की चोटी की खिलाड़ियों में अपना दर्जा हासिल कर चुकी हैं। इससे पहले बीते दिसंबर में वह फीडे महिला शतरंज ग्रां प्री सीरीज जीतकर अपने दमखम का इजहार कर चुकी थी। मूलतः हम्पी को क्लासिक शतरंज का माहिर माना जाता है। पिछले दशकों में देश में शतरंज के खिलाड़ियों का उफान आया है, जिसका श्रेय छह बार क्लासिक शतरंज का विश्व खिताब जीतने वाले विश्वनाथन आनंद को जाता है। वर्ष 1988 में आनन्द देश के पहले ग्रैंडमास्टर बने। आज देश में करीब 59 ग्रैंडमास्टर हैं। इस गौरवशाली बयार पर हम गर्व कर सकते हैं।

हम्पी ने 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' कहावत को हकीकत में बदला है। उसका जन्म 31 मार्च, 1987 को हुआ। सिर्फ नौ वर्ष की उम्र में हम्पी ने राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उसने यह कारनामा मुंबई में हुई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर किया। हम्पी की प्रारंभिक शिक्षा चलपथी रेजीडेंशियल स्कूल में हुई। पिता कोनेरू अशोक व माता का नाम कोनेरू लता है। पिता भी शतरंज के खिलाड़ी रहे हैं और दो बार राज्य स्तरीय स्पर्धाएं जीते भी हैं। उन्होंने बेटी का नाम हम्पी इसलिये रखा कि किसी रूसी भाषा में इसका अर्थ चैंपियन होता है। सही मायनो में हम्पी ने अपने नाम को सार्थक भी किया। पिता का सपना था कि बेटी बड़ी होकर विश्व चैंपियन बने। सही मायनो में हम्पी उनके विश्वास पर?खरी उतरी। उसने विश्व चैंपियनशिप के अलावा एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स तथा तमाम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं।

हर मां–बाप चाहता है कि उनका बच्चा नाम कमाये। मगर उसके लिये त्याग कम ही लोग करते हैं। अशोक व लता ने इसके लिये बड़ी कीमत चुकाई। एक मध्यवर्गीय परिवार ने जब घर में टीवी के बजाय बेटी के खेल में निखार लाने के लिये कंप्यूटर खरीदा तो लोगों ने मजाक बनाया। अब मजाक बनाने वाले शर्मिंदा हैं।

नेहा शर्मा के हॉट एंड सेक्सी फोटोज देख फैन्स बोले

आपके लुक्स जान ले लेंगे

इस बात में कोई शक नहीं कि बॉलिवुड ऐक्ट्रेस नेहा शर्मा गजब की खूबसूरत हैं। इस खूबसूरती में जब हॉटनेस का तड़का लग जाए तो लोग उनसे नजरें नहीं हटा पाते हैं। ऐक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें भी कुछ ऐसी ही है। नेहा शर्मा ने सेक्सी ऑरेंज टॉप में फोटोज शेयर किए हैं जिसका फ्रंट नेक डिजाइन उन्हें सुपर हॉट लुक दे रहा है। नेहा के इस लुक की हॉटनेस कुछ ऐसी है कि फैन्स भी उन पर फिदा हो गए। उन्होंने इन लुक्स को 'किलर' बताते हुए यह तक कह दिया कि नेहा के ये लुक्स 'जान ले सकते हैं'।

हॉट फोटोज अक्सर करती हैं शेयर

वैसे नेहा अक्सर अपने हॉट अवतार की तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर करती रहती हैं। इन फोटोज में से कई उनकी हॉलिडे पिक्स हैं, जिनमें वह बिकीनी में वेदर का मजा लेती दिख रही हैं।

फोटोशूट में सेक्सी अवतार

वैसे नेहा हॉट फोटोशूट भी करवा चुकी हैं। इसकी तस्वीरें भी उन्होंने फैन्स के साथ साझा की थीं। इन फोटोज से साफ है कि नेहा को बोल्ड लुक्स से कोई परहेज नहीं है।

कॉन्फिडेंट बोल्ड बाला

इसीलिए चाहे बीच हो या फिर फोटोशूट, वह बोल्ड लुक को भी आराम से और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती दिखती हैं। नेहा की खूबसूरती के कायल दुनियाभर में मौजूद हैं। इंस्टाग्राम पर भी उनकी फैन फॉलोइंग 9 मिलियन से ज्यादा है। वैसे नेहा कई बार नो-मेकअप लुक भी शेयर कर चुकी हैं जो दिखाता है कि यह बाला नैचरल ब्यूटी है, जिसे फ्लॉन्ट करना उन्हें पसंद है।

शिमला में फैमिली के साथ वकेशन इंजॉय कर रहीं मधु शर्मा

जानी-मानी भोजपुरी अभिनेत्री मधु शर्मा इन दिनों अपने परिवार के साथ शिमला में छुट्टी के मजे ले रही हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर फैन्स के साथ अपने सभी मोमेंट्स को शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, मधु ने तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वह बर्फ से खेलती हुई दिखाई दे रही हैं। मधु एक बर्फीले रास्ते पर खड़ी दिख रही हैं, साथ ही वह एक सिल्वर विंटर कोट, डेनिम और एक मरून कैप पहने हुए बेहद सुंदर नजर आ रही हैं। सर्दियों के मौसम में उन्होंने अपनी तस्वीरों के जरिए शिमला के खूबसूरत नजारों को भी अपने कैमरे में कैद किया है।

बता दें कि मधु को दिनेश लाल यादव और आम्रपाली दुबे के साथ 'बलमुआ' खेसारी लाल यादव और 'दूल्हा हिंदुस्तानी दुल्हन इंग्लिशतानी' जैसी फिल्मों में देखा जाएगा। मधु शर्मा 'दूल्हा हिंदुस्तानी दुल्हन इंग्लिशतानी' में मुख्य करिदार में नजर आएंगी। इस फिल्म को इश्तियाक शेख द्वारा निर्देशित और अभय सिन्हा द्वारा निर्मित किया जा रहा है। इससे पहले उन्होंने 'दूल्हे राजा', 'योद्धा', 'गुलामी' और 'मां तुझे सलाम' जैसी सुपरहिट भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। मधु भोजपुरी के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी सहित कई क्षेत्रीय फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

एक नजर...

आपकी सरकार आपके द्वार खण्ड स्तरीय शिविर डिग्री कॉलेज अटेर में सम्पन्न

भिण्ड,ब्यूरो। मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के अन्तर्गत आपकी सरकार आपके द्वार खण्ड स्तरीय शिविर का आयोजन शुक्रवार को डिग्री कॉलेज अटेर में आयोजित किया गया। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष सोमनाथ नरवरिया, कलेक्टर छोटे सिंह, सीईओ जिला पंचायत आईएस ठाकुर, एसडीएम अटेर अभिषेक चौरसिया, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, जनपद सीईओ के अलावा मनोज दैपुरिया सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी एवं भारी संख्या में शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर छोटे सिंह ने आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में पहुंचकर विभिन्न विभागो के द्वारा लगाए गए काउन्टरों का जायजा लिया और उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागो में प्राप्त आवेदनों को रजिस्टर में इन्ट्री की जाकर ऑनलाईन किया जाना सुनिश्चित करें। कोई भी आवेदन पत्र बगैर ऑनलाईन के नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो आवेदन निराकरण योग्य है, उनका निराकरण शीघ्र करना सुनिश्चित करें एवं जो आवेदन शीघ्र निराकरण योग्य नहीं है, उनको आठ दिवस के अन्दर निराकृत करना सुनिश्चित करें। किसी भी गरीब पात्र हितग्राही आवेदन करने से वंचित न रहे। कलेक्टर ने शिविर में उपस्थित सभी पटवारियों से कहा कि जितने भी फोती नामांतरण एवं बटवारे के प्रकरण हो उनको तत्काल निराकृत करना सुनिश्चित करे। आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में कलेक्टर छोटे सिह ने शहरी एवं ग्रामीणजनो की समस्याऐं सुनी एवं उपस्थित संबंधित अधिकारियों को समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिविर में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के संबंध में उपस्थित जनसमूहो को जानकारी उपलब्ध कराई। कलेक्टर छोटेसिंह ने आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में राजस्व विभाग के 49, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 27, विद्युत विभाग के 09, पीएचई के 03 के अलावा विभिन्न विभागो के आए आवेदनों सहित कुल 104 आवेदन प्राप्त हुए। जिनकी ऑनलाईन प्रक्रिया जारी है और उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी आवेदन बगैर ऑनलाईन के छूटना नहीं चाहिए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा उनके विभाग द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी योजनाओ के बारे में उपस्थित जनसमूह को विस्तार से जानकारी दी। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से लाडली लक्ष्मी योजना के तहत दो लाडलियों जिनमें कु.अल्पिया को 1 लाख 18 हजार एवं भाविका को 1 लाख 18 हजार का प्रमाण पत्र वितरित किए।

बाल अधिकार के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

सर्वोदय संत लल्लूदद्दा जनसेवा समिति की आम बैठक आयोजित

भिण्ड,ब्यूरो। सर्वोदय संत लल्लूदद्दा जनसेवा समिति की वार्षिक आमसभा की बैठक सर्वोदय आश्रम हमीरापुरा में आयोजित की गई। अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्रीनारायण शर्मा ने की। बैठक का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना से किया गया। इसमें पिछली कार्रवाई की पुष्टि के साथ संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में चर्चा के बाद चार निष्क्रिय सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर संस्था सचिव पहलवान सिंह भदौरिया ने बाल विवाह पर रोक एवं जागरूकता करने की बात करते हुए जलवायु परिवर्तन पर चिंता जाहिर की और पर्यावरण संरक्षण एवं जैविक खेती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित कर उन्हें जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने तथा युवाओं एवं महिलाओं की आजीविका को बढ़ाने हेतु कार्य करने का निर्णय लिया गया। बैठक में महावीर सिंह, अंगद सिंह, सुरेन्द्र सिंह, मोहर सिंह, राजबहादुर सिंह, रिपुदमन सिंह, बलराम सिंह, राघवेन्द्र, विनोद कुमार, लखपति शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, रामवीर सिंह मुन्ना, श्रीकृष्ण शर्मा, रामशंकर शर्मा, उमेश शर्मा, सुभाष बौहरे, भूरेसिंह, डॉ. रामबाबू शर्मा आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

दाव लगा रहे जुआरी पुलिस की गिरफ्त में

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामनगर बंबा का पुरा पर काफी दिनों से देहात पुलिस को जुआ खेलने की सूचना मिल रही थी तभी आज मुखिबर की सूचना पर घटनास्थल से पाँच जुआरियों को पकड़ लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी श्याम बरेंठा, देवेन्द्र, अनिल कुमार, गोपाल सिंह, पूरन सिंह, निवासी कबीर नगर जुआ का फड़ लगाकर रामनगर बंबा का पुरा पर खेल रहे थे तभी मुखबिर की सूचना पर देहात पुलिस ने दबिश दी जहाँ पाँचों आरोपी को धर दबोचा, जिनके कब्जे से एक तांश की गड्डी व 3450 रूपये जब्त किये। पुलिस ने फिलहाल जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

अवैध लोहे की छुरी लेकर घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। मालनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सूर्या फैक्ट्री के पीछे किसी बारदात की नियत से अवैध रूप से एक लोहे की छुरी लेकर घूम रहे आरोपी को मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सोनू सिंह पुत्र रणवीर सिंह राणा उम्र 22 वर्ष निवासी ऐंचाया किसी बारदात की नियत से अपने पास एक लोहे की छुरी लेकर सूर्या फैक्ट्री के पीछे घूम रहा था तभी मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 25 (2) आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

शरारती तत्वों ने तोडी बाबा साहेब की मूर्ति प्रसासन ने दूसरी मूर्ति पदस्थापना कराई

मोहन मांझी

गोहद-ग्राम पंचायत रसनोल मे श्री मैराम महाराज मंदिर के दरवाजे पर स्थापित श्री अंबेडकर जी की मूर्ति दिनांक 10 जनवरी की दरमियानी रात में कुछ अज्ञात लोगों ने हाथ तोड़कर मूर्ति को खंडित कर दिया था जिसकी सूचना ग्रामीणों को मिलने पर सभी ग्रामीण एकत्रित हुए और प्रशासन को सूचना दी मौके पर एसडीएम आर ए प्रजापति एसडीओपी परमाल सिंह मेहरा, मौ थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा एवं गोहद थाना प्रभारी संजय एक्का सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभालते हुए सभी लोगों से विचार विमर्श किया जिसमें वहां एकत्रित लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु एफ आई आर दर्ज कराने की बात रखी साथ ही उसी जगह दूसरी प्रतिमा लगाने के लिए प्रशासन से कहा तभी प्रशासन ने बाबा साहब की दूसरी नई प्रतिमा मगाकर पदस्थापना कराई और अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कराया जिसके बाद वहां मौजूद लोग शांत हुए।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत रसनोल में कुछ शरारती तत्वों ने प्रतिमा तोड़ दी थी जिसकी सूचना मिलने पर प्रशासन पहुंचा और प्रशासन द्वारा दूसरी मूर्ति की पदस्थापना कराई गई अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है-

परमाल सिंह मेहरा, एसडीओपी गोहद

दुकान का ताला तोड़कर सोने चाँदी के जेवरात पार

भिण्ड,ब्यूरो। गोरमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा गोरमी में स्थित फरियादी की दुकान के विगत दरम्यानि रात्रि को अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चाँदी के जेवरात पार कर ले गये। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आनन्द पुत्र रामलखन सोनू उम्र 34 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 11 ने लिखित शिकायती आवेदन दिया जिसमें बताया कि मैं रोजाना की तरह अपनी दुकान बंद करके घर चले गये। जब सुबह दुकान के ताले टूटने की खबर मिली तो आखिर देखा दुकान का ताला टूटा हुआ था उसमें रखे सोने चाँदी कीमत लगभग सत्तर हजार रूपये लेकर रफूचक्कर हो गये।

पुण्यतिथि पर कवि सम्मेलन आज

भिण्ड, ब्यूरो। राजीव गांधी स्मृति न्यास भिण्ड द्वारा 11 जनवरी को स्व. छक्कीलाल पटेल शर्मा की 20वीं पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी, कवि सम्मेलन एवं साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन उनके निज निवास ग्राम सुरपुरा अटेर में दोपहर 12 बजे से किया जा रहा है।

सफलता के तीन टिप्स-डरो नहीं

शिक्षक का पीछा नहीं छोड़ो एवं सात घण्टे पढाई करो: कलेक्टर

निःशुल्क संकल्प कोचिंग का हुआ एक्सीलेंस स्कूल नं.1 में शुभारंभ

भिण्ड,ब्यूरो। जो बच्चा सफलता के तीन टिप्सों को याद रखेगा, तो 100 प्रतिशत सफलता प्राप्त अवश्य होगी। सफलता प्राप्त करने के लिए डरो नहीं, जब तक प्रश्न पूरी तरह से समझ में नहीं आ जाए, तब तक शिक्षक का पीछा नहीं छोडो और प्रतिदिन सात घण्टे पढ़ाई करों तो समझ लेना कि 100 प्रतिशत आंक आना पक्के है। यह बात कलेक्टर छोटेसिंह ने शुक्रवार को शा.उत्कृष्ट उमावि क्र.1 में निःशुल्क संकल्प कोचिंग के शुभारंभ अवसर पर बच्चों से कहीं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हरभुवन सिंह तोमर, स्कूल के प्राचार्य बीएस चौहान, जैन कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती जैन, बीईओ भदौरिया के अलावा स्कूल शिक्षक एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे।

कलेक्टर छोटेसिंह ने कहा कि आपकी तरह हम भी कभी आपकी जगह बैठा करते थे। जब दृढ निश्चय हो तो सफलता आपके आगे पीछे घूमती है। उन्होंने कहा कि आप

एक्सीलेंस स्कूल में पढ रहे हो तो आप अवश्य होशियार है, तभी आप परीक्षा पास करके एक्सीलेंस स्कूल में आए। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे के अंक 75 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए, आज इस बात का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भिण्ड का एक्सीलेंस स्कूल प्रदेश में 14 वें नम्बर पर है। आप इस बात का संकल्प लें कि मेरा स्कूल प्रथम नम्बर पर क्यों ना आए इस संकल्प के साथ पढाई करें, ताकि जिला और स्कूल का नाम प्रदेश में रोशन हो।

निःशुल्क संकल्प कोचिंग के शुभारंभ अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हरभुवन सिंह तोमर ने कहा कि आज बडा सौभाग्य का दिन है कि एक्सीलेंस स्कूल में निःशुल्क संकल्प कोचिंग का शुभारंभ जिले के कलेक्टर छोटेसिंह के द्वारा किया गया है। उन्होंने बच्चों से कहा कि आपको उत्कृष्ट बनना है, बिना टेंशन के मेहनत करके पढना है। आप सब होशियार है, तभी आप एक्सीलेंस स्कूल में पढ रहे है। उन्होंने बच्चों से कहा कि कलेक्टर द्वारा जो आपको टिप्स दिए गए है उनको हमेशा याद करना और आगे बढते जाना है। इसी तरह की निःशुल्क संकल्प कोचिंग शीघ्र ही एमएलबी स्कूल में भी शुरू होने वाली है। निःशुल्क संकल्प कोचिंग को प्राचार्य डॉ बीएस चौहान ने भी संबोधित किया।

दिव्यांगो परीक्षण शिविर आज दबोह में एवं कल सुरपुरा में

भिण्ड,ब्यूरो। एल्मिको के माध्यम से जिले में दिव्यांगजनो के लिए पात्रता परीक्षण शिविर निःशुल्क कृत्रिम अंग/सहायक उपकरणों का वितरण के लिए विकास खण्डों में 6 जनवरी से 14 जनवरी 2020 तक परीक्षण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आईएस ठाकुर ने बताया कि परीक्षण शिविरों का आयोजन जनपद पंचायत लहार के अन्तर्गत नगर परिषद दबोह में 11 जनवरी को प्रातः11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत अटेर अन्तर्गत प्रतापपुरा सर्किट हाउस परिसर में 12 जनवरी को प्रातः11 बजे से शिविर समाप्ति तक, जनपद पंचायत भिण्ड में 13 जनवरी को प्रातः11 बजे से शिविर समाप्ति तक एवं जनपद पंचायत भिण्ड अन्तर्गत नगर पालिका भिण्ड में 14 जनवरी 2020 को प्रातः11 बजे से शिविर समाप्ति तक परीक्षण शिविरो का आयोजन किया गया है। उक्त शिविरो में दिव्यांगजनो का परीक्षण किया जाकर पात्रता अनुसार निःशुल्क कृत्रिम अंग/सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। उक्त शिविरों में अधिक से अधिक दिव्यांगजन अपना परीक्षण कराए। जिससे उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए जा सके।

नेता प्रतिपक्ष का बयान उनकी मानसिक दिवालियापन की निशानी : भारद्वाज

भिण्ड,ब्यूरो। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष, गोपाल भार्गव के दीपिका पादुकोण के पोर्न स्टार से तुलना करने के विरुध्द दिए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. अनिल भारद्वाज ने कहा गोपाल भार्गव जी को अपना मानसिक इलाज कराने के जरूरत है, जो ऐसे विक्षिप्त बयान दे रहे है, ये इनका और भाजपा का महिलाओं के प्रति चरित्र को उजागर करता है। ये शर्म की बात है नेता प्रतिपक्ष जैसे पद पर बैठे लोग किसी महिला के विषय मे ऐसी टिप्पणी करते है।

कांग्रेस नेता श्री भारद्वाज ने कहा भार्गव बताए जब दीपिका पादुकोण मोदी जी का, भाजपा का प्रचार करे तो देश भक्त, और छात्रों का समर्थन करे तो देशद्रोही कैसे...? ये आपका मानसिक पागलपन है जिसका इलाज किया जाना आवश्यक है। आपकी पार्टी में इस तरह के कई नेता है जो इस विषय मे पारंगत है, कई अनैतिक संबंध में पकड़े गए, कई पोर्न वीडियो देखने मे पकड़े गए, और हनी ट्रेप की बलाए भी आपकी सरकार में ही पोषित हुई इसलिए इन्हें पोर्न मूवी की ज्यादा याद आ रही है, ये इनकी विक्षिप्त मानसिकता से भरा बयान है, आज का इनका बयान नर्मदांचल और नारी समाज का अपमान है और नेता प्रतिपक्ष माफी मांगे अन्यथा इसके विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष का ये बयान हमारी संस्कृति पर कुठाराघात है, नारी की अस्मिता पर सवाल है, और कमलनाथ की नारियो के प्रति उदारता का अपमान है जो मध्यप्रदेश की जनता और सरकार सहन नही करेगी।

युवक के साथ मारपीट, मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के बंजारे के पुरा के पास एक युवक के साथ जातिसूचक गाली-गलौंच, मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रवि पुत्र मंशाराम जाटव निवासी कुम्हेरी थाना बागचीनी मुरैना गुरुवार की शाम अपने घर जा रहा था, कि तभी विवाद के चलते पहलवान बंजारा, रंजीत उर्फ पप्पू बंजारा निवासीगण बंजारे का पुरा गोहद चौराहा आए और युवक रवि जाटव को जाति सूचक गालियां देने लगे। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने फरियादी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। घटना की जानकारी फरियादी ने पुलिस को दी।

विश्व भर में स्थापित हो पावन खिण्ड दौड़

भिण्ड,ब्यूरो। छत्रपति शिवाजी के शौर्य पराक्रम का प्रतीक बनने पावन खिण्ड दौड़ के नाम से यह दौड़ अब विश्व भर में स्थापित हो, ऐसा प्रयास पावन खिण्ड दौड़ आयोजन समिति करने जा रही है। मैराथन लंबी दूरी की दौड़ प्रतियोगिता है जिसकी आधिकारिक दूरी 42.195 किलोमीटर (26 मील और 385 गज) है, यह आमतौर पर सड़क दौड़ के तौर पर दौड़ी जाती है। वहीं शिवाजी की शौर्य गाथा से जुड़ी यह दौड़ 66 किलोमीटर से 68 किलोमीटर के युद्ध के भीषण संग्राम की कहानी कहती है। जिसमें घोड़ाखिंडी के जंगल के मध्य दलदल,संकीर्ण दर्रों से होती हुई जंगली जानवरों के बीच से यह ऐतिहासिक गाथा हुई (इसी से दौड़ का नाम पड़ा) पावन खिण्ड की यह दौड़ भारतीय नायक हिन्दू योद्धा छत्रपति शिवाजी के घोड़ाखिंडी स्थान पर हुऐ युद्ध की याद में स्थापित है।

भारतीय संस्कृति का विश्व पटल पर अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमान के रूप में स्थापित हो ऐसी विशाल विहंगम दौड़ का ऐतिहासिक प्रयास क्रांतिकारियों की भूमि चम्बल अंचल के विभाण्डक ऋषि की तपोभूमि भिण्ड से यह समिति करने जा रही है। समिति का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैराथन दौड़ की जगह संघर्ष शौर्य की गाथा से जुड़ी 66 किलोमीटर की यह पावन खिण्ड दौड़ के नाम से जानी जाये, इसके लिये ही भिण्ड जिले की भूमि से एक एतिहासिक कार्य होने जा रहा है। आगामी 12 जनवरी को भिण्ड के निराला रंग बिहार मेला ग्राउंड से हजारों प्रतिभागी एक दौड़ देश के स्वाभिमान के लिये तीन से चार किलोमीटर दौड़ने जा रहे हैं। इस दौड़ का रुट मेला मैदान से महावीर गंज, राज टाकीज होते हुए गोलमार्केट से सदर बाजार, परेड चौराहा से पुस्तक बाजार होकर बेटी बचाओ चौराहे से गुजरते हुए अटेर रोड बम्बा पुलिया से घूमते हुए बम्बा की पटरी गोविंद नगर से गुजरकर इंदिरा गांधी चौराहे से पुनः मेला मैदान निराला रंग बिहार में जाकर सम्पन्न होगी। इस आयोजन के लिए भव्य तैयारियां समिति कर रही है। जिसमें मेला मैदान को भगवा पताकाओं से सजाया जा रहा, भव्य रंगोलियों का रेखांकन, फूल मालाओं पुष्पवर्षा कर जगह जगह स्वागत करने सामाजिक संस्थाओं ने बीड़ा उठाया, सुरक्षा व चिकित्सीय सेवा हेतु एम्बुलेंस तथा जल की व्यवस्था भी रहेगी। पावनखिण्ड दौड़ आयोजन समिति के संरक्षक सुनील अग्रवाल, सहसंयोजक मनीष ओझा व राधेगोपाल यादव ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता की। समिति के हवाले से बताया गया है कि यह दौड़ निश्चित रूप से सामाजिक रूप से विश्व कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत प्रतिभागियों के अलाबा समाज के बीच में सामाजिक कार्य करने वाली संस्थाओं के अलाबा आमजन भी इस दौड़ में शामिल होने जा रहा है। संवादवार्ता का विषय प्रतिपादित करने उपरान्त अधिवक्ता अर्पित मुदगल ने सभी उपस्थिजनों का आभार किया।

शंटिंग के दौरान पटरी से उतरा कोच

ग्वालियर। शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे रेलवे यार्ड से शंटिंग कर प्लेटफॉर्म चार पर लायी जा रही ग्वालियर- भिण्ड पैंसेजर का एक कोच बेपटरी हो गया। कोच के पटरी उतरते ही हडंकप मच गया। कोच उतरने की सूचना मिलते ही रेल अधिकारी और आरपीएफ व पीडब्ल्यूआई का राहत दल मौके पर पहुंचा और तीन घंटे की मशक्कत के बाद कोच को पटरी पर चढ़ाया जा सका। कोच किस कारण से पटरी से उतरा इसकी जांच के लिये झांसी एनसीआर मण्डल के निर्देश पर जांच कमेटी गठित की गई है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार प्लेटफॉर्म चार से सुबह 6 बजे भिण्ड के लिये जाने वाली ग्वालियर- भिण्ड पैंसेजर आज सुबह साढ़े पांच बजे के लगभग रेल यार्ड से शटिंग कर प्लेफॉर्म चार पर लायी जा रही थी , रेल यार्ड से कुछ ही दूरी पर पैंसेजर का एक कोच यार्ड में ट्रैक से उतर कर जमीन में जा धंसा। कोच बेपटरी होने की सूचना तत्काल स्थानीय रेल अघिकारियों की दी गई।

पशुपालन मंत्री लाखन सिंह 11 से 13 जनवरी तक जिले में

ग्वालियर । पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री लाखन सिंह यादव जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर 11 जनवरी से 13 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत पशुपालन मंत्री लाखन सिंह यादव 11 जनवरी को भितरवार विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 12 जनवरी को प्रात~ 9 बजे चीनौर में घनश्याम सोनी के नवीन ज्वलैर्स शोरूम के उदघाटन समारोह में भाग लेंगे। प्रात~ 11 बजे मानस भवन फूलबाग ग्वालियर में आयोजित विश्वस्त पत्रकार संघ (भारत) ग्वालियर के सम्मान समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 2 बजे चेम्बर ऑफ कॉमर्स अचलेश्वर मंदिर के पास जयेन्द्रगंज लश्कर ग्वालियर में संभागीय जाटव समाज सुधार समिति ग्वालियर द्वारा आयोजित ग्वालियर में रविदास वंश समाज एकता समन्वय एवं परिचय सम्मेलन को संबोधित करेंगे। यादव 13 जनवरी को भितरवार विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

महिला-बाल विकास मंत्री इमरती देवी आज डबरा में

ग्वालियर । प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी 11 जनवरी को डबरा में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगीं। मंत्री इमरती देवी 11 जनवरी को प्रात~ 11.30 बजे सुभाषगंज डॉ. गौड़ के सामने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन सिंह राठौर करेंगे। दोपहर 1.30 बजे तिवारी मैरिज गार्डन डबरा में गहोई वैश्य समाज के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगीं।

लायंस क्लब की चार्ट नाइट 11 को, पवैया होंगे मुख्य अतिथि

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर द्वारा अपनी 59वीं चार्ट नाईट का आयोजन आज 11 जनवरी को किया गया है। इसी के तहत क्लब के वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सेकंड सुनील गोयल 25 साल पुराने सदस्यों के साथ पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं पीएमजेएफ व एमजेएफ की अंतरराष्ट्रीय उपाधि से अलंकृत वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित करेंगे। यह कार्यक्रम स्थानीय होटल रीजेंसी स्क्वायर में रात्रि 7. 30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया होंगे। क्लब अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, सचिव राकेश अग्रवाल, प्रोजेक्ट कन्वीनर पूर्व अध्यक्ष शशिदत्त गगरानी, प्रोजेक्ट चेयरमैन अनिल मित्तल ने सभी सदस्यों से कार्यक्रम में समय पर पहुंचने का आग्रह किया है।

ब्राम्हण व क्षत्रीय महासभा ने आरक्षण को लेकर सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर। अखिल भारतीय ब्राम्हण महासभा, क्षत्रीय महासभा, करणी सेना व अन्य सवर्ण समाज की विभिन्न ईकाईयों द्वारा आरक्षण आर्थिक आधार पर व एससी-एसटी एक्ट को समाप्त अथवा संशोधन करने के लिये ब्राम्हण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व उप-पुलिस अधीक्षक केडी सोनकिया के नेतृत्व में एसडीएम मुरार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,

राज्यपाल व प्रधानमंत्री कार्यालय के नाम का ज्ञापन सौपा। इस मौके पर महेश मुद्गल, भागवताचार्य पं रामवरण शास्त्री, पं राकेश मोहन आचार्य, समाजसेवी पं कृष्णकान्त तिवारी, आकाश कौरव, गौरव योगी, सतेन्द्र भदौरिया, रामकुमार सिंह, श्याम सिंह, राजीव भदौरिया, राजा चैहान, अरविन्द शर्मा, देवेश शर्मा, अशोक शर्मा, मनमोहन शर्मा, धर्मेन्द्र गौर, नितिन शुभम भार्गव एवं अन्य लोग शामिल थे।

अभी दो दिन और परेशान करेगी ठंड

ग्वालियर। शहर आज भी शीतलहर की चपेट में है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पूर्वी सर्द हवाओं ने आज सुबह से ठंड बढ़ा दी है। हालांकि आज सुबह तेज धूप भी निकली लेकिन इसकी गर्मी भी बेअसर रही। मौसम विभाग के अनुसार यह क्रम आगे भी जारी रहेगा, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है इसी कारण सर्दी में बढ़ोत्तरी हुई है।

गत दिवस हुई बूंदाबांदी के कारण मौसम में जो एकाएक नमी आई थी वह कम हुई है। इससे रात के तापमान में 4.7 डिग्री का इजाफा हुआ था। गुरुवार को रात का तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इसी प्रकार, दिन में मौसम साफ रहने के बावजूद 1.3 डिग्री की कमी आई है। दिन का तापमान 16 डिग्री रिकार्ड किया गया। हवा की गति 1.5 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी से उत्तर भारत में नमी बनी हुई है। इसलिए आर्द्रता बनी हुई है। शुक्रवार को आर्द्रता 81 प्रतिशत दर्ज की गई है। आज सुबह का तापमान 5.8 रिकार्ड किया गया।

सोने का अंडा देने वाली मुर्गी बना ग्वालियर का स्वर्ण रेखा नाला

ग्वालियर। ग्वालियर की महती स्वर्ण रेखा नाला योजना अधिकारियों के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी बन गई है। लगभग 15 साल पहले कच्चे नाले को पक्का कर उसमें जहां सैलानियों के लिए वोटिंग की व्यवस्था नगर निगम ने की थी, लेकिन बरसात का पानी लगातार भरने और उसकी साफ सफाई के नाम पर लाखों रूपयों का वजट प्रतिवर्ष अधिकारियों की जेबों में जा रहा है। इतना ही नहीं नगर निगम में कोई भी इंजीनियर इस उच्च कोटि का नहीं है जो इस गंदे पानी , सीवर की समस्या का निदान कर सके। वहीं परियोजना अधिकारी जो स्वयं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में हैं , लेकिन प्रतिवर्ष साफ सफाई के नाम पर पैसों को खाने की योजना में लिप्त रहते हैं । उन्होंने आज तक ऐसी कोई परियोजना नहीं बनाई जिससे शहर का कुछ भला हो और निगम को भी राजस्व का लाभ मिले। ग्वालियर के बीच से बहने वाली स्वर्णरेखा नदी अब नाला को भाजपा शासन की शुरूआत में तत्कालीन सिंचाई मंत्री अनूप मिश्रा ने पक्का कर उसमें सैलानियों के लिए वोटिंग का सपना देखा और उसे सिंचाई विभाग के इंजीनियरों के सहारे पूरा भी कराया।

नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में होने वाली सभा के लिए वीर सावरकर मण्डल की बृहद बैठक हुई

ग्वालियर। नागरिकता संषोधन कानून (सी.ए.ए) के समर्थन में जनजागरण मंच द्वारा कल आयोजित होने वाली जागरूकता रैली एवं जनसभा के लिए आज वीर सावरकर मण्डल की बृहद बैठक आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में वरिश्ठ भाजपा नेता एवं हस्ताक्षर अभियान के प्रभारी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में हुई। बैठक में मुख्य रूप से सह प्रभारी राकेष गुप्ता, राजेष्वर राव, श्रीमती विनती षर्मा, बसंत अग्रवाल, जयंत षर्मा, चन्द्रप्रकाष गुप्ता, सुरेष नीखरा, प्रमोद जैन, अवधेष कौरव, सतीष यादव, स्वतंत्र सक्सेना, राकेष राजौरिया, धमेन्द्र आर्य, पप्पू बडौरी, राजेन्द्र महोविया, रवि पाण्डे मौजूद रहे।

बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये डॉ. सिकरवार ने कल होने वाली सभा एवं जागरूकता रैली की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सिकरवार ने बताया कि कल होने वाला कार्यक्रम जनजागरण मंच द्वारा आयोजित किया जा रहा है, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेष के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ षामिल होगें। डॉ. सिकरवार ने कहा कि कल दोपहर 1 बजे अचलेष्वर मंदिर के पास स्थित जीवायएमसी मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे, जनसभा होने के बाद जागरूकता रैली षुरू होगी। डॉ. सिकरवार ने बताया कि यह रैली जीवायएमसी मैदान से षुरू होकर इंदरगंज चौराहा, दाल बाजार, नया बाजार, हुजरात चौराहा, दौलतगंज, महाराजबाडा, सराफा, गष्त का ताजिया, पाटनकर बाजार, ऊंटपुल, पुराना हाईकोर्ट, जयेन्द्रगंज होते हुए वापस जीवायएमसी मैदान में पहुंचकर समाप्त होगी। डॉ. सिकरवार ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कि आप लोग अभी जाकर कल होने वाले कार्यक्रम की जानकारी घर-घर जाकर दे और कल के कार्यक्रम को सफल बनाये। नागरिकता संषोधन कानून की सहायता से पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेष में धार्मिक उत्पीड़न के कारण वहां से विस्थापित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई धर्म के लोगों को भारत की नागरिकता दी जाएगी। डॉ. सिकरवार ने कहा कि अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेष के हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई धर्म के वे लोग जिन्होंने 31 दिसंबर 2014 की निर्णायक तारीख तक भारत में प्रवेष कर लिया है, वे सभी भारत की नागरिकता के पात्र होंगे।

हस्ताक्षर अभियान में श्रीमती कविता सोनी, श्रीमती हेमलता प्रजापति, श्रीमती भूरी आदिवासी, श्रीमती राधारानी पाल, गंगासिंह सिकरवार, छाऊलाल साहू, नरेन्द्र राजावत, के.के. षर्मा, मुरारीलाल सविता, राजेन्द्र राठी, छोटू मण्डेलिया, दिलीप अवस्थी, दिनेष पाराषर, गजेन्द्र साहू, रमेष प्रजापति, अतिबल सिंह यादव, डिम्पल भदौरिया, मुकेष गुप्ता, गिरिष गुप्ता, भुवनेष सारस्वत, षिषुपेन्द्र सिंह सिकरवार, बबलू खरे आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

ग्वालियर। धामी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट द्वारा आयोजित प्रथम ग्वालियर ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (उपाध्यक्ष हॉकी इंडिया),धामी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के संचालक संजीव धामी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी दिनेश कुमार सिंह,उपस्थित रहे ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए व अच्छे खेल प्रदर्शन करने की राय दी। कार्यक्रम के अंत में धामी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के संचालक संजीव धामी ने कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथि गणों का पुष्प माला से स्वागत किया ! व उनका आभार व्यक्त किया और उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में ग्वालियर में धामी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट द्वारा कई अलग अलग खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जावेगी। जिसमें ग्वालियर की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा । यह जानकारी कार्यक्रम सचिव राजीव धामी द्वारा दी गई।

कोसीएए के समर्थन में आयोजित रैली के दौरान यातायात डायवर्जन प्लान

ग्वालियर। बजेसेसांय 4 बजे तक सीएए के समर्थन में अचलेश्वर मंदिर के पासस्थित जीवाईएमसीए ग्राउण्ड से रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली का मार्ग जीवाईएमसीए ग्राउण्ड से प्रारम्भ होकर इन्दरगंज चौराहा, दाल बाजार, नया बाजार होते हुए हुजरात चौराहा से बैण्ड मार्केट होते हुए दौलतगंज से महाराज बाड़ा पहुंचेगी। महाराज बाड़ा से सराफाबाजार होते हुए गश्त का ताजिया, राममंदिर से ऊँट पुल होते हुए जिला न्यायालय रोड से इन्दरगंज चौराहा और जीवाईएमसीए ग्राउण्ड पर रैली का समापन होगा। आम जनता से यातायात पुलिस का आग्रह हैकि कल दिनांक 11.01.2020 को दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक रैली के उपरोक्त मार्गों का उपयोग करनेसे बचें एवं यातायात ब्यवस्था बनाये जानेमें यातायात पुलिस का सहयोग करें। रैली के दौरान सुविधानुसार यातायात को परिवर्तित भी किया जा सकताहै।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478